(c) whether, in the wake of the observations made by the Central Administrative Tribunal, Government have made any assessment to know the irregularities, if any, with regard to the admission in the various Agricultural Universities in the country and the declining teaching standards in these Universities; and

(d) if so, what is the outcome thereof stating the steps contemplated by Government in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI NITISH KUMAR): (a) to (c) Sir, The Tribunal has only advised IARI to suitably *amend post-graduate Calendar/Information* Bulletin relating to prescribed qualifications for admission to Biochemistry discipline.

(d) In accordance with the directions of the Tribunal ,the qualifications for admission to M.Ss and Ph.D Programmes in different disciplines, including Bio-chemistry, have been revised, so as to make them very specific.

The Academic Council which is the supreme body for taking policy decisions with regard to post-graduate education reviews the admission policy for each academic year and formulates admission procedure after detailed deliberations in an effort to constantly improve the academic standards.

दालों का उत्पादन

1986. **श्री अटल बिहारी वाजपेयी :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में दालों की पैदावार बढ़ाने के प्रयास में अभी तक वांछित सफलता प्राप्त नहीं हुई है; और

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री नितिश कुमार) : (क) और (ख) जी, हां । इसके कारण निम्न प्रकार हैं :—

(1) मौसम की खराबी के कारण दालों पर बुरा असर पड़ना ।

(2) आनुवंशिक सफलता न मिलना जैसा कि चावल और गेहूं के मामले में है ।

(3) कृमियों और रोगों के कारण दलहन फसलों पर बुरा असर पड़ना ।

(4) दलहनों का उत्पादन करने वाले सामान्य क्षेत्रों में सिंचाई के आगमन के पश्चात अच्छी भूमि के स्थान पर निम्न और सीमान्त भूमि का उपयोग करना ।

बच्चों की दुर्दशा

1987. **श्री कपिल वर्मा :**
श्रीमती वीणा वर्मा :

क्या कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश के लगभग 30 करोड़ बच्चों में से 10 करोड़ बच्चे आवारा, फुटपाथी तथा बाल श्रमिक के रूप में जीवन व्यतीत करते हैं ; यदि हां, तो दिल्ली में इस प्रकार के आवारा, निराश्रित बच्चों एवं अनाथालयों की संख्या कितनी और दिल्ली में इस प्रकार के अनाथालयों में कितने बच्चे रहते हैं ;

(ख) देश में अनाथालय जैसी संस्थाओं तथा उनमें रहने वाले बच्चों की संख्या कितनी-कित ी है;

(ग) क्या यह भी सच है कि घर से भागने वाले बालक तथा बालिकाओं की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है; यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं तथा